प्रसार भारती

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

09.09.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1800बजे

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हिमाचल प्रदेश का दौरा कर बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले हवाई सर्वेक्षण कर बाढ़ से प्रभावित इलाकों चम्बा, भरमौर, कांगड़ा और अन्य क्षेत्रों का अवलोकन किया। बाद में उन्होंने कांगड़ा ज़िला के धर्मशाला में समीक्षा बैठक कर राहत व पुनर्वास कार्यों की प्रगति और आपदा से हुए नुकसान का आकलन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 15 सौ करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य आपदा राहत कोष एस.डी.आर.एफ. की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि की दूसरी किश्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृति, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार और प्रभावित पशुपालकों के लिए मिनी किट्स भी वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत क्षतिग्रस्त मकानों की जियो–टैगिंग की जाएगी जिससे नुकसान का सही आकलन और प्रभावित परिवारों तक त्वरित सहायता पहुंचाई जा सके। इसी तरह क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों की भी जियो–टैगिंग की जाएगी ताकि समय पर समग्र शिक्षा अभियान के तहत आवश्यक मदद मिल सके।

जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्षा जल संग्रहण के लिए रिचार्ज स्ट्रक्चर का निर्माण किया जाएगा, जिससे भूजल स्तर में सुधार के साथ बेहतर जल प्रबंधन भी हो सकेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले ही अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय दलों को नुकसान का आकलन करने के लिए हिमाचल भेजा है और उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की अतिरिक्त मदद पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आपदा से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनके साथ अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उन्होंने बादल फटने से आई बाढ़ में अपने माता–पिता और दादी को खो चुकी मण्डी ज़िले की नन्हीं निकिता से भी प्रधानमंत्री ने मुलाकात की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में प्रदेश सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। प्रधानमंत्री ने आपदा में मारे गए लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 50 हजार रुपये देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने त्वरित राहत व बचाव कार्यों के लिए एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ. ,सेना, राज्य प्रशासन और आपदा मित्र स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना भी की। प्रधानमंत्री ने हिमाचल को आश्वासन दिया कि केंद्रीय दलों की रिपोर्ट के आधार पर स्थिति की लगातार समीक्षा की जाएगी और प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण व पुनर्वास में पूरी मदद दी जाएगी।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और पीड़ित परिवारों की पीड़ा को सुनने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। उन्होंने प्रदेश सरकार की आपदा से जुड़ी विभिन्न मांगों को गंभीरता से सुनने और उनसे संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश के लिए फौरी सहायता के रूप में 15 सौ करोड़ रुपये की घोषणा स्वागत योग्य है। उन्होंने इस राशि को विशेष आपदा पैकेज के रूप में प्रदेश को प्रदान करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार वन भूमि से जुड़े नियमों में आवश्यक संशोधन, सड़क निर्माण में टनलिंग और अन्य मुद्दों पर भी सहानुभूतिपूर्वक विचार कर शीघ्र निर्णय लेगी।